पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

———————

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 5वाँ दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

लोकहित से जुड़े बगैर शिक्षा की सार्थकता नहीं है

जी–20 इवेंट में उत्साह के साथ प्रतिभागी हो विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के बहुआयामी सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए

–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———————

लखनऊः 20 दिसम्बर, 2022

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 5वाँ दीक्षान्त समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल जी ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्र–छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस वर्ष दीक्षान्त में पदक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए राज्यपाल जी ने उन विद्यार्थियों का भी उत्साहवर्द्धन किया जो मात्र कुछ अंकों से पदक प्राप्त करने से वंचित रह गए। उन्होंने कहा कि ये विद्यार्थी अपनी क्षमताओं को कम न आंके, क्योंकि कुछ अंकों से आगे–पीछे हो जाने से आगामी जीवन प्रभावी नहीं होगा। उन्होंने कहा कि

भविष्य में जीवन की सफलता अर्जित ज्ञान के बेहतर उपयोग, कर्मक्षेत्र में लगन और निष्ठा के साथ लक्ष्यों को पूरा करने से प्राप्त होगी।

अपने सम्बोधन में राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के पूर्णतः लागू होने जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसके लाभों पर चर्चा की। उन्होंने नवीनतम शोध कार्यों के बहुतायत में संचालन, शैक्षिक गुणवत्ता वृद्धि हेतु अन्य शिक्षण संस्थानों से एम0ओ0यू0 करने, कम समय में ही नैक ग्रेडिंग के लिए अग्रसर होने, रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को संचालित करने के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की।

विद्यार्थियों को स्वरोजगार हेतु प्रेरित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि ज्ञान को नौकरी पाने का साधन नहीं बनाना चाहिए। लोकहित और जनहित से जुड़े बगैर शिक्षा की सार्थकता नही है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वे आगामी जीवन में परिवार के साथ–साथ राष्ट्र व समाज के उत्थान में भी अपना बहुमूल्य योगदान देंगे। विद्यार्थियों का ध्यान जलवायु परिवर्तन की ओर आकृष्ट करते हुए राज्यपाल जी ने वर्तमान परिदृश्य में पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, जल संरक्षण जैसे प्राकृतिक उपादानों के मूल्यों पर भी चर्चा की। यहाँ उल्लेखनीय है कि राज्यपाल जी ने आज के कार्यक्रम का उद्घाटन ''जल संवर्द्धन'' के साथ किया। उन्होंने मटकी में जलधारा प्रवाहित कर जल संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों द्वारा जितना जल वर्ष भर में उपयोग में लाया जाता है, वे उतने जल संरक्षण हेतु प्रभावी प्रयास करें।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की युवाशक्ति की वैश्विक भागीदारी की चर्चा करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि विश्वविद्यालयों को छात्रों के बहुआयामी सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। इसी क्रम में उन्होंने भारत में जी–20 देशों की बैठकों की जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश के चार शहरों आगरा, वाराणसी, लखनऊ, ग्रेटर नोयडा में 01 दिसम्बर, 2022 से 30 नवम्बर, 2023 तक इसकी बैठकें आयोजित हो रही हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय को इस इवेंट में उत्साह के साथ प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे मेधावी विद्यार्थियों का चयन करें, जो विदेशी भाषा के जानकार हों। ये छात्र जी–20 देशों के प्रतिनिधियों से संवाद करके

जानकारियों के प्रचार–प्रसार, विश्वविद्यालय के नवाचारों, स्टार्टअप तथा अन्य गतिविधियों के डिजिटल प्रचार तथा प्रदर्शनी के अयोजन आदि से हिस्सेदारी कर सकते हैं।

समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष इसरो, डॉ0 के0 कस्तूरीरंगन ने अपने अनुभवों को विद्यार्थियों से साझा करते हुए उनको भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर कुलपति डॉ0 अखिलेश कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति अख्या प्रस्तुत की। समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने विद्यार्थियों को भावी जीवन में उत्कृष्ट योगदान और समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया तथा आगामी जीवन की शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल जी ने कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की स्मारिका का लोकार्पण, परिसर में साइकिल सुविधा का लोकार्पण तथा प्राथमिक विद्यालय से आए बच्चों को पोषण सामग्री एवं पठ्न–पाठन सामग्री का वितरण भी किया।

दीक्षान्त समारोह में कुल 1,19,363 विद्यार्थियों को उपाधि दी गई, जिसमें स्नातक पाठ्यक्रम में 104806, स्नातकोत्तर में 14557 उपाधियाँ दी गईं। मेधावी विद्यार्थियों को 143 पदक वितरित किए गए। वितरित पदकों में 44 स्वर्ण पदक, 44 रजत पदक तथा 55 कांस्य पदक प्रदान किए गए।

———

डा0 सीमा गुप्ता/राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 8318116361